UGC NET Hindi June 17, 2023 Shift 1 Question Paper

Application No	
Roll No	
Candidate Name	
Module Name	**Hindi**
Exam Date	**17-Jun-2023**
Exam Batch	**09:00-12:00**

2) PART B Subject Paper

www.prepp.in

Question No. 1 / Question ID 20079 Marks: 2.00

निम्नांकित नाटकों को हिन्दी में उनके प्रथम प्रदर्शन वर्ष के आधार पर पहले से बाद के क्रम में लगाइए

A. बकरी
B. महाबली
C. आगरा बाजार
D. माधवी
E. अषाढ़ का एक दिन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, A, C, B, D
2. A, C, E, D, B
3. C, E, A, D, B
4. D, E, C, A, B

निम्नांकित नाटकों को हिन्दी में उनके प्रथम प्रदर्शन वर्ष के आधार पर पहले से बाद के क्रम में लगाइए

A. बकरी
B. महाबली
C. आगरा बाजार
D. माधवी
E. अषाढ़ का एक दिन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, A, C, B, D
2. A, C, E, D, B
3. C, E, A, D, B
4. D, E, C, A, B

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 2 / Question ID 20066 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I नामकरण		सूची II वर्ण	
A.	महाप्राण ध्वनि	I.	ज
B.	घोष ध्वनि	II.	ल
C.	पार्श्विक व्यंजन	III.	र
D.	लोड़ित व्यंजन	IV.	ख

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-II, D-I
2. A-I, B-IV, C-II, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-IV, B-II, C-I, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I नामकरण		सूची II वर्ण	
A.	महाप्राण ध्वनि	I.	ज
B.	घोष ध्वनि	II.	ल
C.	पार्श्विक व्यंजन	III.	र
D.	लोड़ित व्यंजन	IV.	ख

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-II, D-I
2. A-I, B-IV, C-II, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-IV, B-II, C-I, D-III

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 3 / Question ID 20010 Marks: 2.00

"पूर्ण क्लासिक कृति वह जिसमें किसी मानव-समाज की पूर्ण शक्ति निहित हो"।
यह कथन किसका है?

1. आई. ए. रिचर्ड्स
2. टी. एस. इलियट
3. बेनिडिटो क्रोचे
4. मैथ्यू अर्नाल्ड

"पूर्ण क्लासिक कृति वह जिसमें किसी मानव-समाज की पूर्ण शक्ति निहित हो"।
यह कथन किसका है?

1. आई. ए. रिचर्ड्स
2. टी. एस. इलियट
3. बेनिडिटो क्रोचे
4. मैथ्यू अर्नाल्ड

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 4 / Question ID 20052 Marks: 2.00

www.prepp.in

भारतीय नवजागरण के संबंध में उपयुक्त कथन हैं

A. नवजागरण का जमाना सभ्यताओं की टकराहट का न होकर सभ्यताओं के आत्म निरीक्षण का था।
B. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने स्त्री अधिकार आंदोलनों की निंदा की।
C. औपनिवेशिक माहौल में भारत का नवजागरण बुद्धिवादी जागरूकता के अलावा राष्ट्रीय आत्म पहचान का संघर्ष भी था।
D. स्वामी दयानंद सरस्वती हिन्दुओं की मूर्तिपूजा का समर्थन करते थे।
E. भारतीय नवजागरण के जनक राजा राममोहन राय को जीवन में आरंभिक काल में ही रूढ़िवादियों के प्रबल विरोध का सामना करना पड़ा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल A, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल C, D और E

भारतीय नवजागरण के संबंध में उपयुक्त कथन हैं

A. नवजागरण का जमाना सभ्यताओं की टकराहट का न होकर सभ्यताओं के आत्म निरीक्षण का था।
B. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने स्त्री अधिकार आंदोलनों की निंदा की।
C. औपनिवेशिक माहौल में भारत का नवजागरण बुद्धिवादी जागरूकता के अलावा राष्ट्रीय आत्म पहचान का संघर्ष भी था।
D. स्वामी दयानंद सरस्वती हिन्दुओं की मूर्तिपूजा का समर्थन करते थे।
E. भारतीय नवजागरण के जनक राजा राममोहन राय को जीवन में आरंभिक काल में ही रूढ़िवादियों के प्रबल विरोध का सामना करना पड़ा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल A, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल C, D और E

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 5 / Question ID 20069 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I कवि		सूची II अध्येता	
A.	विद्यापति	I.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
B.	सूरदास	II.	बच्चन सिंह
C.	बिहारी	III.	इमरे बंघा
D.	घनानंद	IV.	शिव प्रसाद सिंह

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-I, D-II
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-IV, B-III, C-I, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I कवि		सूची II अध्येता	
A.	विद्यापति	I.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
B.	सूरदास	II.	बच्चन सिंह
C.	बिहारी	III.	इमरे बंघा
D.	घनानंद	IV.	शिव प्रसाद सिंह

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-I, D-II
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-IV, B-III, C-I, D-II

- 1
  1

- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 6 / Question ID 20008 Marks: 2.00

'एक रूप हिन्दू तुरुक दूजी दशा न कोय ।
मन की द्विविधा मानकर भये एक सों दोय ।।'
यह कविता किस कवि की है?

'एक रूप हिन्दू तुरुक दूजी दशा न कोय ।
मन की द्विविधा मानकर भये एक सों दोय ।।'
यह कविता किस कवि की है?

1. नरोत्तम दास
2. वली दक्कनी
3. नवल दास
4. बनारसी दास

1. नरोत्तम दास
2. वली दक्कनी
3. नवल दास
4. बनारसी दास

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 7 / Question ID 20040 Marks: 2.00

डॉ. तुलसीराम के ननिहाल में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?

1. तेजबहादुर सिंह
2. मुशाफिर लाल
3. परशुराम सिंह
4. हरिहर दास

डॉ. तुलसीराम के ननिहाल में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?

1. तेजबहादुर सिंह
2. मुशाफिर लाल
3. परशुराम सिंह
4. हरिहर दास

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 8 / Question ID 20075 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I पुस्तकों में उद्धृत काव्य पंक्तियाँ		सूची II पुस्तकें
A.	उठ गए आज बापू हमारे झुक गया आज झंडा हमारा ।	I.	संस्कृति के चार अध्याय
B.	सोने की थारी में जेवना परोसो रामा जेवना ना जेवै हमार बलमा	II.	आवारा मसीहा
C.	तुलसी गंग दोऊ भये, सुकविन को सरदार तिनके काव्यन में मिली, भाषा विविध प्रकार	III.	क्या भूलूं क्या याद करूं
D.	जीवन मंथन से निकला विष, वह जो तुमने पान किया और अमृत हो बाहर आया, उसे जगत को दान दिया	IV.	मुर्दहिया

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-IV, C-II, D-I
3. A-III, B-IV, C-I, D-II
4. A-I, B-III, C-IV, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I पुस्तकों में उद्धृत काव्य पंक्तियाँ		सूची II पुस्तकें
A.	उठ गए आज बापू हमारे झुक गया आज झंडा हमारा ।	I.	संस्कृति के चार अध्याय
B.	सोने की थारी में जेवना परोसो रामा जेवना ना जेवै हमार बलमा	II.	आवारा मसीहा
C.	तुलसी गंग दोऊ भये, सुकविन को सरदार तिनके काव्यन में मिली, भाषा विविध प्रकार	III.	क्या भूलूं क्या याद करूं
D.	जीवन मंथन से निकला विष, वह जो तुमने पान किया और अमृत हो बाहर आया, उसे जगत को दान दिया	IV.	मुर्दहिया

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-IV, C-II, D-I
3. A-III, B-IV, C-I, D-II
4. A-I, B-III, C-IV, D-II

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 9 / Question ID 20021 Marks: 2.00

'प्रिय प्रवास का प्रथम सर्ग एक ही छन्द में रचा गया है। यह छंद है :

1. शार्दूलविक्रीड़ित छन्द
2. द्रुतविलम्बित छन्द
3. मंदाक्रान्ता छन्द
4. वसन्ततिलका छन्द

'प्रिय प्रवास का प्रथम सर्ग एक ही छन्द में रचा गया है। यह छंद है :

1. शार्दूलविक्रीड़ित छन्द
2. द्रुतविलम्बित छन्द
3. मंदाक्रान्ता छन्द
4. वसन्ततिलका छन्द

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 3
  3
- 4
  4

Question No. 10 / Question ID 20058 Marks: 2.00

'लाल पान की बेगम' कहानी में स्त्री-पात्र है :

A. सुहासी
B. चम्पिया
C. जोतिया
D. मखनी फुआ
E. सुनरी

'लाल पान की बेगम' कहानी में स्त्री-पात्र है :

A. सुहासी
B. चम्पिया
C. जोतिया
D. मखनी फुआ
E. सुनरी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल A, D और E
3. केवल B, C और E
4. केवल B, D और E

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल A, D और E
3. केवल B, C और E
4. केवल B, D और E

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 11 / Question ID 20007 Marks: 2.00

सूफ़ी प्रेमाख्यान नही है:

1. श्याम सगाई
2. इन्द्रावती
3. युसुफ़ जुलेखा
4. हंस जवाहिर

सूफ़ी प्रेमाख्यान नही है:

1. श्याम सगाई
2. इन्द्रावती
3. युसुफ़ जुलेखा
4. हंस जवाहिर

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 12 / Question ID 20022 Marks: 2.00

'ये हत्यारे गाँव के मुखिया हैं, गरीबों का खून चूसने वाले!
सूद-ब्याज, डेढ़ी-सवाई, नजर-नजराना, घूस-घास जैसे भी हो, गरीबों को लूटो। उस पर सुराज चाहिए जेल जाने से सुराज न मिलेगा। सुराज मिलेगा धरम से, न्याय से।'
- 'गोदान' उपन्यास में यह कथन किसका है?

1. गोबर
2. धनिया
3. शोभा
4. सिलिया

'ये हत्यारे गाँव के मुखिया हैं, गरीबों का खून चूसने वाले!
सूद-ब्याज, डेढ़ी-सवाई, नजर-नजराना, घूस-घास जैसे भी हो, गरीबों को लूटो। उस पर सुराज चाहिए जेल जाने से सुराज न मिलेगा। सुराज मिलेगा धरम से, न्याय से।'
- 'गोदान' उपन्यास में यह कथन किसका है?

1. गोबर
2. धनिया
3. शोभा
4. सिलिया

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 13 / Question ID 20086 Marks: 2.00

www.prepp.in

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: 'झूठा सच' 'तमस' और 'जिन्दगी नामा' आदि उपन्यासों में अनेक पात्र पंजाबी पृष्ठभूमि के हैं। इसलिए इन उपन्यासों में हिन्दी और उर्दू के अतिरिक्त कहीं-कहीं पंजाबी के भी संवाद उपयोग में लाए गए हैं ।

कथन-II: 'आपका बंटी' के अनुसार बंटी का पूरा नाम अरूप बत्रा है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: 'झूठा सच' 'तमस' और 'जिन्दगी नामा' आदि उपन्यासों में अनेक पात्र पंजाबी पृष्ठभूमि के हैं। इसलिए इन उपन्यासों में हिन्दी और उर्दू के अतिरिक्त कहीं-कहीं पंजाबी के भी संवाद उपयोग में लाए गए हैं ।

कथन-II: 'आपका बंटी' के अनुसार बंटी का पूरा नाम अरूप बत्रा है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

- ○ 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 14 / Question ID 20005 Marks: 2.00

भक्ति आन्दोलन पर किस कवि ने गंभीरता से विचार किया है: भक्ति आन्दोलन पर किस कवि ने गंभीरता से विचार किया है:

1. मुक्तिबोध
2. रघुवीर सहाय
3. राजेश जोशी
4. ओम प्रकाश वाल्मीकि

1. मुक्तिबोध
2. रघुवीर सहाय
3. राजेश जोशी
4. ओम प्रकाश वाल्मीकि

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- ○ 4
  4

Question No. 15 / Question ID 20045 Marks: 2.00

नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापक हैं :

A. शिव कुमार सिंह
B. मेहता लज्जाराम
C. रामनारायण मिश्र
D. बालकृष्ण भट्ट
E. श्याम सुंदर दास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल A, C और E
3. केवल B, C और D
4. केवल B, D और E

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापक हैं :

A. शिव कुमार सिंह
B. मेहता लज्जाराम
C. रामनारायण मिश्र
D. बालकृष्ण भट्ट
E. श्याम सुंदर दास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल A, C और E
3. केवल B, C और D
4. केवल B, D और E

Question No. 16 / Question ID 20056 Marks: 2.00

उपन्यासों में गीतों -कविताओं के प्रयोग पर सत्य कथन हैं :

A. 'झूठा सच' में पंजाबी कवियों बुल्लेशाह-बाबा फरीद की कविताएँ प्रयुक्त हैं।
B. 'जिन्दगीनामा' में हिन्दी कवियों तुलसी, सूर के पदों का प्रयोग है।
C. 'मैला आँचल' में सुमित्रानंदन पन्त की कविता का इस्तेमाल किया गया है।
D. 'मानस का हंस' में मोहिनी रैदास का एक भजन गाती है।
E. 'तमस' में 'सर्वे भवन्तु सुखिन:----' का उपयोग किया गया है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और D

उपन्यासों में गीतों -कविताओं के प्रयोग पर सत्य कथन हैं :

A. 'झूठा सच' में पंजाबी कवियों बुल्लेशाह-बाबा फरीद की कविताएँ प्रयुक्त हैं।
B. 'जिन्दगीनामा' में हिन्दी कवियों तुलसी, सूर के पदों का प्रयोग है।
C. 'मैला आँचल' में सुमित्रानंदन पन्त की कविता का इस्तेमाल किया गया है।
D. 'मानस का हंस' में मोहिनी रैदास का एक भजन गाती है।
E. 'तमस' में 'सर्वे भवन्तु सुखिन:----' का उपयोग किया गया है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और D

- 1
  1

- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 17 / Question ID 20048 Marks: 2.00

सत्य कथन हैं :

A. भरत ने 'नाट्यशास्त्र' के 16 वें अध्याय में अलंकारों का निरूपण किया है।
B. उद्भट, जयदेव और प्रतिहारेन्दुराज अलंकार सम्प्रदाय के आचार्य हैं।
C. 'काव्यादर्श' के दूसरे और तीसरे परिच्छेदों में अलंकार-निरूपण है।
D. 'काव्यालंकार' में 6 परिच्छेद हैं।
E. 'काव्यालंकार-सार संग्रह' रुद्रट का ग्रन्थ है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

सत्य कथन हैं :

A. भरत ने 'नाट्यशास्त्र' के 16 वें अध्याय में अलंकारों का निरूपण किया है।
B. उद्भट, जयदेव और प्रतिहारेन्दुराज अलंकार सम्प्रदाय के आचार्य हैं।
C. 'काव्यादर्श' के दूसरे और तीसरे परिच्छेदों में अलंकार-निरूपण है।
D. 'काव्यालंकार' में 6 परिच्छेद हैं।
E. 'काव्यालंकार-सार संग्रह' रुद्रट का ग्रन्थ है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 18 / Question ID 20078 Marks: 2.00

निम्नांकित नाटकों को उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. राज्यश्री
B. चरणदास चोर
C. भारत सौभाग्य
D. बटोही
E. पहला राजा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, C, A, D, B
2. C, A, D, E, B
3. D, C, A, E, B
4. C, A, E, B, D

निम्नांकित नाटकों को उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. राज्यश्री
B. चरणदास चोर
C. भारत सौभाग्य
D. बटोही
E. पहला राजा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, C, A, D, B
2. C, A, D, E, B
3. D, C, A, E, B
4. C, A, E, B, D

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 19 / Question ID 20004 Marks: 2.00

'मालवी' का केंद्र है? 'मालवी' का केंद्र है?

1. जयपुर
2. इंदौर
3. जोधपुर
4. जबलपुर

1. जयपुर
2. इंदौर
3. जोधपुर
4. जबलपुर

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 20 / Question ID 20016 Marks: 2.00

www.prepp.in

'कबीर का घर सिखर पर, जहाँ सिलहली गैल'
- इस वाक्यांश में 'सिलहली' शब्द का क्या अर्थ है :

1. हिलती हुई सिल
2. फिसलने लायक
3. प्रकाश युक्त
4. सुनहरी

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

'कबीर का घर सिखर पर, जहाँ सिलहली गैल'
- इस वाक्यांश में 'सिलहली' शब्द का क्या अर्थ है :

1. हिलती हुई सिल
2. फिसलने लायक
3. प्रकाश युक्त
4. सुनहरी

Question No. 21 / Question ID 20071 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I स्त्री पात्र		सूची II पति / प्रेमी	
A.	शीलो	I.	असद
B.	तारा	II.	राजेन्द्र
C.	कनक	III.	रतन
D.	ऊषा	IV.	पुरी

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-II, D-III
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-II, C-I, D-IV

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I स्त्री पात्र		सूची II पति / प्रेमी	
A.	शीलो	I.	असद
B.	तारा	II.	राजेन्द्र
C.	कनक	III.	रतन
D.	ऊषा	IV.	पुरी

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-II, D-III
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-III, B-II, C-I, D-IV

Question No. 22 / Question ID 20020 Marks: 2.00

'रामचरितमानस के उत्तरकांड में उन्होंने ज्ञान की अपेक्षा भक्ति को कहीं अधिक सुसाध्य और आशुफलदायिनी कहा है।'
- यह कथन किस इतिहासकार का है?

1. रामचंद्र शुक्ल
2. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. रामकुमार वर्मा

'रामचरितमानस के उत्तरकांड में उन्होंने ज्ञान की अपेक्षा भक्ति को कहीं अधिक सुसाध्य और आशुफलदायिनी कहा है।'
- यह कथन किस इतिहासकार का है?

1. रामचंद्र शुक्ल
2. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. रामकुमार वर्मा

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 23 / Question ID 20055 Marks: 2.00

'अँधेरे मे' कविता मे पागल द्वारा गाये गए गान की पंक्तियाँ हैं :

A. मर गया देश, अरे जीवित रह गये तुम
B. जन-मन-करुणा सी माँ को हँकाल दिया
C. स्वार्थों के पहाड़ खड़े कर लिए
D. विवेक को मार डाला, तर्क की जबान बंद कर दी
E. अब तक क्या किया, जीवन क्या जिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल B, C और E
3. केवल A, C और E
4. केवल B, C और D

'अँधेरे मे' कविता मे पागल द्वारा गाये गए गान की पंक्तियाँ हैं :

A. मर गया देश, अरे जीवित रह गये तुम
B. जन-मन-करुणा सी माँ को हँकाल दिया
C. स्वार्थों के पहाड़ खड़े कर लिए
D. विवेक को मार डाला, तर्क की जबान बंद कर दी
E. अब तक क्या किया, जीवन क्या जिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल B, C और E
3. केवल A, C और E
4. केवल B, C और D

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 24 / Question ID 20018 Marks: 2.00

www.prepp.in

"चंचल किशोर सुन्दरता की करती रहती रखवाली,
मैं वह हलकी सी मसलन हूँ जो बनती कानों की लाली ।"
- यह किसका संवाद है?

1. चिंता
2. इड़ा
3. श्रद्धा
4. लज्जा

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

"चंचल किशोर सुन्दरता की करती रहती रखवाली,
मैं वह हलकी सी मसलन हूँ जो बनती कानों की लाली ।"
- यह किसका संवाद है?

1. चिंता
2. इड़ा
3. श्रद्धा
4. लज्जा

Question No. 25 / Question ID 20065 Marks: 2.00

'संस्कृति के चार अध्याय' में तिलक के बारे में उपयुक्त बातें कौन सी हैं?

A. गीता रहस्य में तिलक जी ने सुस्पष्ट घोषणा की कि गीता क उद्देश्य निवृत्ति नहीं प्रवृत्ति का प्रतिपादन किया है।
B. कर्मण गृहस्थ को योगी, सन्यासी और भक्त के समकक्ष नहीं माना जा सकता है।
C. तिलक के उपदेश तत्कालीन समय में वीरता, निर्भीकता और सच्चाई के सबसे बड़े उपदेश थे ।
D. गीता का मार्ग संन्यास का मार्ग है, संसार त्याग और कर्म न्यास का मार्ग है।
E. तिलक जी ने बताया कि योग का अर्थ गीता में कर्म है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल B, D और E
3. केवल A, C और D
4. केवल B, C और E

'संस्कृति के चार अध्याय' में तिलक के बारे में उपयुक्त बातें कौन सी हैं?

A. गीता रहस्य में तिलक जी ने सुस्पष्ट घोषणा की कि गीता क उद्देश्य निवृत्ति नहीं प्रवृत्ति का प्रतिपादन किया है।
B. कर्मण गृहस्थ को योगी, सन्यासी और भक्त के समकक्ष नहीं माना जा सकता है।
C. तिलक के उपदेश तत्कालीन समय में वीरता, निर्भीकता और सच्चाई के सबसे बड़े उपदेश थे ।
D. गीता का मार्ग संन्यास का मार्ग है, संसार त्याग और कर्म न्यास का मार्ग है।
E. तिलक जी ने बताया कि योग का अर्थ गीता में कर्म है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल B, D और E
3. केवल A, C और D
4. केवल B, C और E

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 26 / Question ID 20061 Marks: 2.00

'भारत दुर्दशा' नाटक में निम्न पात्रों के मंच पर आने का सही क्रम क्या है? 'भारत दुर्दशा' नाटक में निम्न पात्रों के मंच पर आने का सही क्रम क्या है?

A. आलस्य
B. रोग
C. भारत दुर्दैव
D. मदिरा
E. भारत

A. आलस्य
B. रोग
C. भारत दुर्दैव
D. मदिरा
E. भारत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, C, D, E, A
2. E, B, D, A, C
3. E, C, B, A, D
4. C, E, D, B, A

1. B, C, D, E, A
2. E, B, D, A, C
3. E, C, B, A, D
4. C, E, D, B, A

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- ○ 4
  4

Question No. 27 / Question ID 20037 Marks: 2.00

'भोलाराम का जीव' कहानी के अनुसार भोलाराम को रिटायर होने के कितने वर्ष बाद तक पेंशन न मिली थी?

1. 3
2. 5
3. 7
4. 9

'भोलाराम का जीव' कहानी के अनुसार भोलाराम को रिटायर होने के कितने वर्ष बाद तक पेंशन न मिली थी?

1. 3
2. 5
3. 7
4. 9

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- ○ 4
  4

Question No. 28 / Question ID 20027 Marks: 2.00

'तीसरी कसम' कहानी के अनुसार हीराबाई का संबंध किन दो कंपनियों से हुआ?

1. रौता कंपनी - जगमोहन कंपनी
2. मथुरा मोहन कंपनी -जगमोहन कंपनी
3. सगुन कंपनी - रौता कंपनी
4. मथुरामोहन कंपनी - रौता कंपनी

'तीसरी कसम' कहानी के अनुसार हीराबाई का संबंध किन दो कंपनियों से हुआ?

1. रौता कंपनी - जगमोहन कंपनी
2. मथुरा मोहन कंपनी -जगमोहन कंपनी
3. सगुन कंपनी - रौता कंपनी
4. मथुरामोहन कंपनी - रौता कंपनी

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 29 / Question ID 20060 Marks: 2.00

'स्कंदगुप्त' के स्त्री पात्र हैं :

A. जेता
B. देवकी
C. मालिनी
D. रामा
E. चंदा

'स्कंदगुप्त' के स्त्री पात्र हैं :

A. जेता
B. देवकी
C. मालिनी
D. रामा
E. चंदा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और D

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और D

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 30 / Question ID 20049 Marks: 2.00

www.prepp.in

सत्य कथन हैं :

A. वैदर्भी रीति में ओजगुण-प्रकाशक वर्णों की अधिकता होती है।
B. भरत के नाट्यशास्त्र में रीति के लिए 'प्रवृत्ति' शब्द का उल्लेख है।
C. वामन ने रीति के पाँच प्रकार माने हैं - वैदर्भी, गौड़ी, पांचाली, शोरसैनी और लाटीया।
D. कुंतक ने रीति को मार्ग कहा है।
E. भोज ने 'अवन्तिका' और 'मागधी' नामक दो नई वृत्तियों की उद्भावना की।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

सत्य कथन हैं :

A. वैदर्भी रीति में ओजगुण-प्रकाशक वर्णों की अधिकता होती है।
B. भरत के नाट्यशास्त्र में रीति के लिए 'प्रवृत्ति' शब्द का उल्लेख है।
C. वामन ने रीति के पाँच प्रकार माने हैं - वैदर्भी, गौड़ी, पांचाली, शोरसैनी और लाटीया।
D. कुंतक ने रीति को मार्ग कहा है।
E. भोज ने 'अवन्तिका' और 'मागधी' नामक दो नई वृत्तियों की उद्भावना की।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 31 / Question ID 20012 Marks: 2.00

'देश की बात' निबंध के लेखक कौन हैं? 'देश की बात' निबंध के लेखक कौन हैं?

1. प्रतापनारायण मिश्र
2. मैथिली शरण गुप्त
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

1. प्रतापनारायण मिश्र
2. मैथिली शरण गुप्त
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- ○ 4
  4

Question No. 32 / Question ID 20039 Marks: 2.00

किस रचना के एक पात्र की जबान पर उठते-बैठते निम्नलिखित दोहा रहता था?
"पुरुष सिंह जो उद्यमी, लक्ष्मी ताकरि चेरी ।
भाग्य भरोसे जे रहैं कुपुरुष भाषहि टेरी।।"

1. प्रेमचंद्र घर में
2. आवारा मसीहा
3. क्या भूलूं क्या याद करूं
4. मुर्दहिया

किस रचना के एक पात्र की जबान पर उठते-बैठते निम्नलिखित दोहा रहता था?
"पुरुष सिंह जो उद्यमी, लक्ष्मी ताकरि चेरी ।
भाग्य भरोसे जे रहैं कुपुरुष भाषहि टेरी।।"

1. प्रेमचंद्र घर में
2. आवारा मसीहा
3. क्या भूलूं क्या याद करूं
4. मुर्दहिया

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- ○ 4
  4

Question No. 33 / Question ID 20067 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I आचार्य		सूची II पुस्तक	
A.	भानुदत्त	I.	भाव प्रकाशन
B.	रामचन्द्र गुणचन्द्र	II.	व्यक्ति विवेक
C.	शारदातनय	III.	नाट्यदर्पण
D.	महिमभट्ट	IV.	रस मंजरी

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-IV, C-I, D-III
2. A-IV, B-III, C-I, D-II
3. A-III, B-IV, C-I, D-II
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I आचार्य		सूची II पुस्तक	
A.	भानुदत्त	I.	भाव प्रकाशन
B.	रामचन्द्र गुणचन्द्र	II.	व्यक्ति विवेक
C.	शारदातनय	III.	नाट्यदर्पण
D.	महिमभट्ट	IV.	रस मंजरी

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-IV, C-I, D-III
2. A-IV, B-III, C-I, D-II
3. A-III, B-IV, C-I, D-II
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 34 / Question ID 20047 Marks: 2.00

स्मृति-आख्यान (संस्मरण) की पुस्तकें हैं :

A. नंगातलाई का गाँव
B. मुखड़ा क्या देखे
C. लौट आ ओ धार
D. याद हो कि न याद हो
E. गोलमेज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और D
2. केवल A, D और E
3. केवलB, C और D
4. केवल B, D और E

○ 1 (Chosen Option)
1 (Chosen Option)

○ 2
2

○ 3
3

○ 4
4

स्मृति-आख्यान (संस्मरण) की पुस्तकें हैं :

A. नंगातलाई का गाँव
B. मुखड़ा क्या देखे
C. लौट आ ओ धार
D. याद हो कि न याद हो
E. गोलमेज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और D
2. केवल A, D और E
3. केवलB, C और D
4. केवल B, D और E

Question No. 35 / Question ID 20081 Marks: 2.00

पाश्चात्य काव्य चिंतकों को उनके जन्म वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. आई. ए. रिचर्ड
B. मैथ्यू अर्नाल्ड
C. कॉलरिज
D. विलियम वर्ड्स्वर्थ
E. टी. एस इलीयट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. D, B, C, A, E
2. C, D, E, B, A
3. C, D, A, B, E
4. D, C, B, E, A

पाश्चात्य काव्य चिंतकों को उनके जन्म वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. आई. ए. रिचर्ड
B. मैथ्यू अर्नाल्ड
C. कॉलरिज
D. विलियम वर्ड्स्वर्थ
E. टी. एस इलीयट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. D, B, C, A, E
2. C, D, E, B, A
3. C, D, A, B, E
4. D, C, B, E, A

○ 1
1

○ 2
2

www.prepp.in

- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 36 / Question ID 20073 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	कृपी	I.	महाभोज
B.	किन्नी	II.	चन्द्रगुप्त
C.	जमना बहन	III.	आधे अधूरे
D.	कल्याणी	IV.	एक और द्रोणाचार्य

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-I, B-III, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	कृपी	I.	महाभोज
B.	किन्नी	II.	चन्द्रगुप्त
C.	जमना बहन	III.	आधे अधूरे
D.	कल्याणी	IV.	एक और द्रोणाचार्य

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-I, B-III, C-IV, D-II
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-III, B-II, C-IV, D-I

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 37 / Question ID 20042 Marks: 2.00

देवनागरी लिपि के संबंध में निम्नलिखित बाते उपयुक्त हैं

A. जैसे बोला जाता है देवनागरी में वैसा ही लिखा जाता है।
B. एक लिपि चिह्न से अनेक ध्वनियों को व्यक्त करने की क्षमता है।
C. संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी को राजभाषा माना गया है।
D. देवनागरी लिपि में पंजाबी और उड़िया भाषा लिखी जाती है।
E. ध्वनि और संकेत में निश्चितता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल A, B और D
3. केवल A, C और E
4. केवल B, D और E

देवनागरी लिपि के संबंध में निम्नलिखित बाते उपयुक्त हैं

A. जैसे बोला जाता है देवनागरी में वैसा ही लिखा जाता है।
B. एक लिपि चिह्न से अनेक ध्वनियों को व्यक्त करने की क्षमता है।
C. संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी को राजभाषा माना गया है।
D. देवनागरी लिपि में पंजाबी और उड़िया भाषा लिखी जाती है।
E. ध्वनि और संकेत में निश्चितता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल A, B और D
3. केवल A, C और E
4. केवल B, D और E

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 38 / Question ID 20054 Marks: 2.00

नागार्जुन की 'कालिदास' कविता में निम्न में से किसका उल्लेख है? नागार्जुन की 'कालिदास' कविता में निम्न में से किसका उल्लेख है?

A. विक्रम
B. यक्ष
C. शकुन्तला
D. इन्दुमती
E. अज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और E
3. केवल A, D और E
4. केवल B, D और E

A. विक्रम
B. यक्ष
C. शकुन्तला
D. इन्दुमती
E. अज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और E
3. केवल A, D और E
4. केवल B, D और E

- 1
  1

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 39 / Question ID 20013 Marks: 2.00

राम, कृष्ण और शिव के व्यक्तित्व पर किस समाजवादी चिंतक ने विचार किया है।

1. जयप्रकाश नारायण
2. राममनोहर लोहिया
3. आचार्य नरेंद्र देव
4. मधु लिमये

राम, कृष्ण और शिव के व्यक्तित्व पर किस समाजवादी चिंतक ने विचार किया है।

1. जयप्रकाश नारायण
2. राममनोहर लोहिया
3. आचार्य नरेंद्र देव
4. मधु लिमये

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 40 / Question ID 20026 Marks: 2.00

"अजी हजरत, यही चोरी कराते हैं। शहर के जितने चोर-डाकू हैं, सब इनसे मिले रहते हैं। रात को ये लोग चोरों से कहते हैं, चोरी करो और आप दूसरे मुहल्ले में जाकर 'जागते रहो! जागते रहो।।' पुकारते हैं।"
- यह संवाद 'ईदगाह' कहानी के किस पात्र का है?

1. महमूद
2. मोहसीन
3. नूरे
4. सम्मी

"अजी हजरत, यही चोरी कराते हैं। शहर के जितने चोर-डाकू हैं, सब इनसे मिले रहते हैं। रात को ये लोग चोरों से कहते हैं, चोरी करो और आप दूसरे मुहल्ले में जाकर 'जागते रहो! जागते रहो।।' पुकारते हैं।"
- यह संवाद 'ईदगाह' कहानी के किस पात्र का है?

1. महमूद
2. मोहसीन
3. नूरे
4. सम्मी

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 3
  3
- 4
  4

Question No. 41 / Question ID 20032 Marks: 2.00

'आगरा बाजार' नाटक का आरंभ किस नज़्म से होता है? 'आगरा बाजार' नाटक का आरंभ किस नज़्म से होता है?

1. कन्हैया का बालपन
2. बलदेव जी का मेला
3. आदमीनामा
4. शहर आशोब

1. कन्हैया का बालपन
2. बलदेव जी का मेला
3. आदमीनामा
4. शहर आशोब

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 42 / Question ID 20088 Marks: 2.00

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: वर्ड्स्वर्थ के अनुसार कविता 'स्वत: स्फूर्त अभिव्यक्ति है।

कथन-II: कॉलरिज के अनुसार रम्य कल्पना केवल स्मृति पर निर्भर है जबकि कल्पना प्रेरणा और अवधारणा आदि अनेक स्रोतों से सामग्री संचय करती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: वर्ड्स्वर्थ के अनुसार कविता 'स्वत: स्फूर्त अभिव्यक्ति है।

कथन-II: कॉलरिज के अनुसार रम्य कल्पना केवल स्मृति पर निर्भर है जबकि कल्पना प्रेरणा और अवधारणा आदि अनेक स्रोतों से सामग्री संचय करती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

○ 4
4

Question No. 43 / Question ID 20072 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I 'उसने कहा था' में आए पंजाबी शब्द		सूची II हिन्दी अर्थ	
A.	कुडमाई	I.	गधा
B.	घुमाव	II.	मंगनी
C.	खोते	III.	स्त्रियों / स्त्री
D.	तीमियों / तीमी	IV.	जमीन की नाप

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-III, B-IV, C-I, D-II

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I 'उसने कहा था' में आए पंजाबी शब्द		सूची II हिन्दी अर्थ	
A.	कुडमाई	I.	गधा
B.	घुमाव	II.	मंगनी
C.	खोते	III.	स्त्रियों / स्त्री
D.	तीमियों / तीमी	IV.	जमीन की नाप

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-III, B-IV, C-I, D-II

○ 1
1

○ 2
2

○ 3 (Chosen Option)
3 (Chosen Option)

○ 4
4

Question No. 44 / Question ID 20087 Marks: 2.00

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: 'रोज' उर्फ़ गैंग्रीन' कहानी के अनुसार मालती के पति का नाम विश्वेश्वर है और वे एक छोटे से रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर हैं।

कथन-II: 'चीफ की दावत' कहानी में चीफ के आग्रह पर माँ ने एक पुराना टप्पा 'दो पत्तर अनाराँ दे' ..... गाकर सुनाया

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और IIदोनों सही हैं
2. कथन I और II दोनों सही हैं
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: 'रोज' उर्फ़ गैंग्रीन' कहानी के अनुसार मालती के पति का नाम विश्वेश्वर है और वे एक छोटे से रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर हैं।

कथन-II: 'चीफ की दावत' कहानी में चीफ के आग्रह पर माँ ने एक पुराना टप्पा 'दो पत्तर अनाराँ दे' ..... गाकर सुनाया

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और IIदोनों सही हैं
2. कथन I और II दोनों सही हैं
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

○ 1
1

- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 45 / Question ID 20064 Marks: 2.00

शरत् के संबंध में उपयुक्त कथन हैं।

A. शरत् बचपन में डरपोक स्वभाव के थे।
B. गृहस्थी से शरत् का कभी लगाव नहीं रहा।
C. शरत् बाबू की रचनाओं पर 'बिरजबहू' और 'विजया' नाटक का रूपांतरण हुआ।
D. अपने भाई की समाधि शरत् के घर के पास नदी के तट पर बनवाई थी।
E. शरत् ने कोई वसीयतनामा नहीं लिखा था।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल A, B और D

शरत् के संबंध में उपयुक्त कथन हैं।

A. शरत् बचपन में डरपोक स्वभाव के थे।
B. गृहस्थी से शरत् का कभी लगाव नहीं रहा।
C. शरत् बाबू की रचनाओं पर 'बिरजबहू' और 'विजया' नाटक का रूपांतरण हुआ।
D. अपने भाई की समाधि शरत् के घर के पास नदी के तट पर बनवाई थी।
E. शरत् ने कोई वसीयतनामा नहीं लिखा था।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल A, B और D

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 46 / Question ID 20043 Marks: 2.00

www.prepp.in

कबीर-साहित्य के अध्येता हैं :

A. इमरै बंघा
B. पुरुषोत्तम अग्रवाल
C. वीरेन्द्र यादव
D. धर्मवीर
E. डेविड लॉरेंजन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल B, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल C, D और E

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

कबीर-साहित्य के अध्येता हैं :

A. इमरै बंघा
B. पुरुषोत्तम अग्रवाल
C. वीरेन्द्र यादव
D. धर्मवीर
E. डेविड लॉरेंजन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल B, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल C, D और E

Question No. 47 / Question ID 20030 Marks: 2.00

भारतीय लोकतंत्र की आलोचना करने वाला नाटक-युग्म हैं :

1. बकरी - आगरा बाजार
2. अंधायुग - एक और द्रोणाचार्य
3. बकरी - महाभोज
4. अंधायुग - आधे अधूरे

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

भारतीय लोकतंत्र की आलोचना करने वाला नाटक-युग्म हैं :

1. बकरी - आगरा बाजार
2. अंधायुग - एक और द्रोणाचार्य
3. बकरी - महाभोज
4. अंधायुग - आधे अधूरे

Question No. 48 / Question ID 20082 Marks: 2.00

निम्नलिखित घटनाओं को पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. आर्यसमाज का स्थापना वर्ष
B. आनंद मठ का प्रकाशन वर्ष
C. गीतांजलि का प्रकाशन वर्ष
D. विश्व धर्म सभा में विवेकानंद संबोधन
E. ब्रह्म समाज का स्थापना वर्ष

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, B, C, A, D
2. E, B, D, A, C
3. E, A, B, D, C
4. A, E, B, D, C

निम्नलिखित घटनाओं को पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. आर्यसमाज का स्थापना वर्ष
B. आनंद मठ का प्रकाशन वर्ष
C. गीतांजलि का प्रकाशन वर्ष
D. विश्व धर्म सभा में विवेकानंद संबोधन
E. ब्रह्म समाज का स्थापना वर्ष

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, B, C, A, D
2. E, B, D, A, C
3. E, A, B, D, C
4. A, E, B, D, C

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 49 / Question ID 20035 Marks: 2.00

किस स्थान के लोग बड़े-बड़े नखों को पसंद करते थे? किस स्थान के लोग बड़े-बड़े नखों को पसंद करते थे?

1. दक्षिणात्य
2. गौड़ देश
3. उज्जयिनी
4. स्थाणवीश्वर

1. दक्षिणात्य
2. गौड़ देश
3. उज्जयिनी
4. स्थाणवीश्वर

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 50 / Question ID 20031 Marks: 2.00

'आषाढ़ का एक दिन' में पतंजलि का उल्लेख कौन सा पात्र करता है? 'आषाढ़ का एक दिन' में पतंजलि का उल्लेख कौन सा पात्र करता है?

1. अनुस्वार
2. अनुनासिक
3. रंगिणी
4. संगिनी

1. अनुस्वार
2. अनुनासिक
3. रंगिणी
4. संगिनी

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 51 / Question ID 20044 Marks: 2.00

www.prepp.in

रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रीतिग्रंथकार कवि हैं :

A. कुलपति मिश्र
B. बेनी बंदीजन
C. बख्शी हंसराज
D. गुमान मिश्र
E. ग्वाल कवि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल A, B और E
3. केवल B, C और D
4. केवल B, D और E

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रीतिग्रंथकार कवि हैं :

A. कुलपति मिश्र
B. बेनी बंदीजन
C. बख्शी हंसराज
D. गुमान मिश्र
E. ग्वाल कवि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल A, B और E
3. केवल B, C और D
4. केवल B, D और E

Question No. 52 / Question ID 20077 Marks: 2.00

निम्नांकित अनुवादों को उनके हिन्दी में पहली बार प्रकाशित होने के वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए:

A. खड़िया का घेरा
B. एकांतवासी योगी
C. श्रांत पथिक
D. कामदेव का अपना बसंत ऋतु का सपना
E. विश्व प्रपंच

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, C, E, A, D
2. C, B, D, A, E
3. E, B, C, A, D
4. D, A, B, C, E

निम्नांकित अनुवादों को उनके हिन्दी में पहली बार प्रकाशित होने के वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए:

A. खड़िया का घेरा
B. एकांतवासी योगी
C. श्रांत पथिक
D. कामदेव का अपना बसंत ऋतु का सपना
E. विश्व प्रपंच

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, C, E, A, D
2. C, B, D, A, E
3. E, B, C, A, D
4. D, A, B, C, E

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 3
  3
- 4
  4

Question No. 53 / Question ID 20085 Marks: 2.00

'उत्तरा फाल्गुनी के आस पास' निबन्ध के आधार पर दिए गए विवरणों में आयु को छोटे से बड़े कर्म में संयोजित करें।

A. .....ज़रा और जीर्णता की आगमनी का समाचार काल तुरंत दूर से ही हिनहिनाकर दे जाता है।
B. .....से ज्यादा असभ्यता है, अश्लीलता है, अनैतिकता है।
C. .....जीवन के सम्मुख फण उठाये एक प्रश्न चिह्न को उपस्थित करता है।
D. .....इसमें जीर्णता और जर्जरता नहीं है। यह ज़रा और वृद्धत्व का प्रतीक नहीं।
E. .....तब में व्यवस्था केपुतलीघर की इन यंत्र कन्याओं से माफी मांग कर उत्तर पुरुष की जयजयकार बोलते हुए मंच से बाहर आ जाऊँगा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, C, B, D, E
2. C, B, D, A, E
3. C, D, B, A, E
4. C, B, D, E, A

'उत्तरा फाल्गुनी के आस पास' निबन्ध के आधार पर दिए गए विवरणों में आयु को छोटे से बड़े कर्म में संयोजित करें।

A. .....ज़रा और जीर्णता की आगमनी का समाचार काल तुरंत दूर से ही हिनहिनाकर दे जाता है।
B. .....से ज्यादा असभ्यता है, अश्लीलता है, अनैतिकता है।
C. .....जीवन के सम्मुख फण उठाये एक प्रश्न चिह्न को उपस्थित करता है।
D. .....इसमें जीर्णता और जर्जरता नहीं है। यह ज़रा और वृद्धत्व का प्रतीक नहीं।
E. .....तब में व्यवस्था केपुतलीघर की इन यंत्र कन्याओं से माफी मांग कर उत्तर पुरुष की जयजयकार बोलते हुए मंच से बाहर आ जाऊँगा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, C, B, D, E
2. C, B, D, A, E
3. C, D, B, A, E
4. C, B, D, E, A

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 54 / Question ID 20034 Marks: 2.00

'दिल्ली दरबार दर्पण' निबंध के अनुसार किलात के खाँ को सब मिलाकर कितनी कीमत की वस्तुएं तुहफे में मिलीं?

1. 20000 रुपये
2. 25000 रुपये
3. 30000 रुपये
4. 35000 रुपये

'दिल्ली दरबार दर्पण' निबंध के अनुसार किलात के खाँ को सब मिलाकर कितनी कीमत की वस्तुएं तुहफे में मिलीं?

1. 20000 रुपये
2. 25000 रुपये
3. 30000 रुपये
4. 35000 रुपये

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 55 / Question ID 20050 Marks: 2.00

निम्नलिखित में से कौन से कथन विवेकानंद के हैं?

A. "मजबूत बनो! कायर और लिबलिबे न बने रहो! साहसी बनो! कायरों की जरूरत नहीं है।"
B. "समूचा संसार जब तक एक साथ आगे कदम नहीं बढाता, तब तक कोई प्रगति संभव नहीं है।"
C. "शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उनमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।"
D. "मानव हृदय से मैं संगीन की नोक के बूते बुराई को हटाने में यकीन नहीं करता।"
E. "समाज के सभी सदस्यों को संपत्ति, शिक्षा अथवा ज्ञान प्राप्त करने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए।"

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल B, C और E
3. केवल C, D और E
4. केवल A, B और E

निम्नलिखित में से कौन से कथन विवेकानंद के हैं?

A. "मजबूत बनो! कायर और लिबलिबे न बने रहो! साहसी बनो! कायरों की जरूरत नहीं है।"
B. "समूचा संसार जब तक एक साथ आगे कदम नहीं बढाता, तब तक कोई प्रगति संभव नहीं है।"
C. "शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उनमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।"
D. "मानव हृदय से मैं संगीन की नोक के बूते बुराई को हटाने में यकीन नहीं करता।"
E. "समाज के सभी सदस्यों को संपत्ति, शिक्षा अथवा ज्ञान प्राप्त करने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए।"

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल B, C और E
3. केवल C, D और E
4. केवल A, B और E

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 56 / Question ID 20090 Marks: 2.00

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके (Reason R) कारण के रूप में;

अभिकथन A: अंग्रेजों ने पुरानी आर्थिक संरचना को बदला, जमीन का नया बंदोबस्त किया। नये बंदोबस्त के कारण जमीन को क्रय-विक्रय करने की छूट मिल गई।

कारण R: बदलती हुई परिस्थितियों में बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजों के अत्याचारों का विरोध करना आरंभ कर दिया।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है, लेकिन R सही नहीं है
4. A असही नहीं है, लेकिन R सही है

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके (Reason R) कारण के रूप में;

अभिकथन A: अंग्रेजों ने पुरानी आर्थिक संरचना को बदला, जमीन का नया बंदोबस्त किया। नये बंदोबस्त के कारण जमीन को क्रय-विक्रय करने की छूट मिल गई।

कारण R: बदलती हुई परिस्थितियों में बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजों के अत्याचारों का विरोध करना आरंभ कर दिया।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सही है, लेकिन R सही नहीं है
4. A असही नहीं है, लेकिन R सही है

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 57 / Question ID 20023 Marks: 2.00

'मैला आँचल' के अनुसार बावनदास के मृत्यु-स्थल को ग्रामीणों ने क्या रूप दे दिया?

1. बावन की डीह का
2. शहीद स्मारक का
3. भारत माथा का थान का
4. चेथरिया पीर का

'मैला आँचल' के अनुसार बावनदास के मृत्यु-स्थल को ग्रामीणों ने क्या रूप दे दिया?

1. बावन की डीह का
2. शहीद स्मारक का
3. भारत माथा का थान का
4. चेथरिया पीर का

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 58 / Question ID 20017 Marks: 2.00

"लख कर अनर्थ आर्थिक पथ पर हारता रहा मैं स्वार्थ - समर ।" - इस पंक्तिओं में 'मैं' का अर्थ है :

1. निराला
2. राम
3. मनु
4. पुरुरवा

"लख कर अनर्थ आर्थिक पथ पर हारता रहा मैं स्वार्थ - समर ।" - इस पंक्तिओं में 'मैं' का अर्थ है :

1. निराला
2. राम
3. मनु
4. पुरुरवा

- ○ 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 59 / Question ID 20076 Marks: 2.00

www.prepp.in

निम्नलिखित पुस्तकों को उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. दुर्लभ बन्धु
B. पथिक
C. आदर्श हिन्दू
D. इतिहास तिमिरनाशक
E. चन्द्रकांता संतति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, D, A, B, C
2. D, A, E, C, B
3. C, B, D, E, A
4. D, E, A, B, C

निम्नलिखित पुस्तकों को उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. दुर्लभ बन्धु
B. पथिक
C. आदर्श हिन्दू
D. इतिहास तिमिरनाशक
E. चन्द्रकांता संतति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. E, D, A, B, C
2. D, A, E, C, B
3. C, B, D, E, A
4. D, E, A, B, C

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 60 / Question ID 20070 Marks: 2.00

www.prepp.in

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I पंक्ति		सूची II पुस्तक / कविता	
A.	पूछेगा जग किन्तु, पिता का नाम न बोल सकेंगे	I.	साकेत
B.	न कुछ कह सकी अपनी, न उन्हीं की पूछ मैं सकी भय से	II.	गीत फ़रोश
C.	तोड़ दो यह क्षितिज मैं भी देख लूँ उस ओर क्या है	III.	रश्मिरथी
D.	जी, लोगों ने तो बेच दिये ईमान	IV.	सांध्यगीत

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-II, D-I
4. A-III, B-IV, C-II, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I पंक्ति		सूची II पुस्तक / कविता	
A.	पूछेगा जग किन्तु, पिता का नाम न बोल सकेंगे	I.	साकेत
B.	न कुछ कह सकी अपनी, न उन्हीं की पूछ मैं सकी भय से	II.	गीत फ़रोश
C.	तोड़ दो यह क्षितिज मैं भी देख लूँ उस ओर क्या है	III.	रश्मिरथी
D.	जी, लोगों ने तो बेच दिये ईमान	IV.	सांध्यगीत

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-I, C-IV, D-II
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-IV, B-III, C-II, D-I
4. A-III, B-IV, C-II, D-I

- ○ 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 61 / Question ID 20046 Marks: 2.00

www.prepp.in

रामचन्द्र शुक्ल ने आदिकाल के 'अपभ्रंश काव्य' शीर्षक प्रकरण में निम्न कवियों का उल्लेख किया है:

A. मधुकर कवि
B. श्रीधर
C. देवसेन
D. सोमप्रभ सूरी
E. विद्याधर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल A, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल C, D और E

रामचन्द्र शुक्ल ने आदिकाल के 'अपभ्रंश काव्य' शीर्षक प्रकरण में निम्न कवियों का उल्लेख किया है:

A. मधुकर कवि
B. श्रीधर
C. देवसेन
D. सोमप्रभ सूरी
E. विद्याधर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल A, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल C, D और E

- ○ 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 62 / Question ID 20089 Marks: 2.00

www.prepp.in

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: 'गिरिधर' बहुब्रीही समास का उदाहरण है।

कथन-II: 'रामकृष्ण' तत्पुरुष समास का उदाहरण है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I: 'गिरिधर' बहुब्रीही समास का उदाहरण है।

कथन-II: 'रामकृष्ण' तत्पुरुष समास का उदाहरण है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- ○ 4
  4

Question No. 63 / Question ID 20029 Marks: 2.00

जयशंकर प्रसाद के नाटकों को मंच पर सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने वाले निर्देशक हैं?

1. हबीब तनवीर - इब्राहिम अलकाजी
2. बी. वी. कारंत - शांता गाँधी
3. सत्यदेव दुबे - श्यामानंद जालान
4. राजेन्द्रनाथ - ओम शिवपुरी

जयशंकर प्रसाद के नाटकों को मंच पर सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने वाले निर्देशक हैं?

1. हबीब तनवीर - इब्राहिम अलकाजी
2. बी. वी. कारंत - शांता गाँधी
3. सत्यदेव दुबे - श्यामानंद जालान
4. राजेन्द्रनाथ - ओम शिवपुरी

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 64 / Question ID 20002 Marks: 2.00

निम्नलिखित में से अविकारी शब्द हैं। निम्नलिखित में से अविकारी शब्द हैं।

1. संज्ञा
2. विशेषण
3. क्रिया
4. क्रिया विशेषण

1. संज्ञा
2. विशेषण
3. क्रिया
4. क्रिया विशेषण

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 65 / Question ID 20074 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	आयु और ऋतुओं का संबंध	I.	उठ जाग मुसाफिर
B.	माता, मातृभूमि और जन्मभूमि प्रेम	II.	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
C.	कल्याण का रूप	III.	उत्तरा फाल्गुनी के आस-पास
D.	नई पीढ़ी के प्रति पुरानी पीढ़ी की चिंता	IV.	शिव मूर्ति

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	आयु और ऋतुओं का संबंध	I.	उठ जाग मुसाफिर
B.	माता, मातृभूमि और जन्मभूमि प्रेम	II.	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
C.	कल्याण का रूप	III.	उत्तरा फाल्गुनी के आस-पास
D.	नई पीढ़ी के प्रति पुरानी पीढ़ी की चिंता	IV.	शिव मूर्ति

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-II, D-I
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-I, B-IV, C-III, D-II
4. A-III, B-II, C-I, D-IV

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-II, D-I
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-I, B-IV, C-III, D-II
4. A-III, B-II, C-I, D-IV

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 66 / Question ID 20057 Marks: 2.00

'परीक्षागुरु' उपन्यास के विविध प्रकरणों के शीर्षक हैं :

A. दुर्जनता
B. ईश्वर प्रेम
C. प्रामाणिकता
D. अदालत
E. प्रेत भय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल C, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल B, C और E

○ 1
1

○ 2
2

○ 3 (Chosen Option)
3 (Chosen Option)

○ 4
4

'परीक्षागुरु' उपन्यास के विविध प्रकरणों के शीर्षक हैं :

A. दुर्जनता
B. ईश्वर प्रेम
C. प्रामाणिकता
D. अदालत
E. प्रेत भय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल C, D और E
3. केवल B, C और D
4. केवल B, C और E

Question No. 67 / Question ID 20083 Marks: 2.00

निम्नांकित कविताओं को रचनाकाल-प्रथम प्रकाशन वर्ष के आधार पर पहले से बाद के क्रम में लगाइए:

A. असाध्यवीणा
B. परिवर्तन
C. कुकुरमुत्ता
D. मोचीराम
E. अँधेरे में

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, C, A, E, D
2. C, B, E, A, D
3. B, A, C, D, E
4. C, A, B, E, D

निम्नांकित कविताओं को रचनाकाल-प्रथम प्रकाशन वर्ष के आधार पर पहले से बाद के क्रम में लगाइए:

A. असाध्यवीणा
B. परिवर्तन
C. कुकुरमुत्ता
D. मोचीराम
E. अँधेरे में

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, C, A, E, D
2. C, B, E, A, D
3. B, A, C, D, E
4. C, A, B, E, D

○ 1 (Chosen Option)
1 (Chosen Option)

○ 2
2

- 3
  3
- 4
  4

Question No. 68 / Question ID 20015 Marks: 2.00

कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की कहाँ की बैठक में 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' वापस लेने की स्वीकृति दी गई?

1. सूरत
2. बारडोली
3. कलकत्ता
4. कानपुर

कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की कहाँ की बैठक में 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' वापस लेने की स्वीकृति दी गई?

1. सूरत
2. बारडोली
3. कलकत्ता
4. कानपुर

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 69 / Question ID 20033 Marks: 2.00

'भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?' निबन्ध में भारतेंदु जी ने सब उन्नतियों का मूल किसे माना है?

1. धर्म
2. संस्कृति
3. भाषा
4. कृषि

'भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?' निबन्ध में भारतेंदु जी ने सब उन्नतियों का मूल किसे माना है?

1. धर्म
2. संस्कृति
3. भाषा
4. कृषि

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 70 / Question ID 20028 Marks: 2.00

'परिंदे' कहानी के प्रारम्भ में अंगरेजी भाषा में एक उद्धरण है। यह किस लेखक का है?

1. अन्तोन चेखव
2. कैथरीन मेन्सफील्ड
3. ज्याँ पॉल सार्त्र
4. ओ. हेनरी

'परिंदे' कहानी के प्रारम्भ में अंगरेजी भाषा में एक उद्धरण है। यह किस लेखक का है?

1. अन्तोन चेखव
2. कैथरीन मेन्सफील्ड
3. ज्याँ पॉल सार्त्र
4. ओ. हेनरी

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 71 / Question ID 20068 Marks: 2.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	देश का धन	I.	बाल गंगाधर तिलक
B.	गुलामगीरी	II.	ताराबाई शिंदे
C.	स्त्री-पुरुष तुलना	III.	राधामोहन गोकुल
D.	गीता रहस्य	IV.	जोतिबा फुले

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-III, B-II, C-IV, D-I
4. A-III, B-IV, C-II, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	देश का धन	I.	बाल गंगाधर तिलक
B.	गुलामगीरी	II.	ताराबाई शिंदे
C.	स्त्री-पुरुष तुलना	III.	राधामोहन गोकुल
D.	गीता रहस्य	IV.	जोतिबा फुले

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-I, D-II
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-III, B-II, C-IV, D-I
4. A-III, B-IV, C-II, D-I

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 72 / Question ID 20003 Marks: 2.00

निम्नलिखित में से अर्ध संवृत स्वर है। निम्नलिखित में से अर्ध संवृत स्वर है।

1. आ
2. ऐ, औ
3. ए, ओ
4. उ, ऊ

1. आ
2. ऐ, औ
3. ए, ओ
4. उ, ऊ

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 73 / Question ID 20041 Marks: 2.00

स्वनिम के संबंध में उपयुक्त कथन हैं।

A. वाक्य में शब्दों के संबंध निर्धारित करते हैं।
B. इसका संबंध मौखिक भाषा से है।
C. सार्थकता की दृष्टि से शब्द लघुतम इकाई है।
D. यह उच्चरित भाषा की लघुतम इकाई है।
E. इसका ज्ञान भाषा के शुद्ध उच्चारण को जानने में सहायक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

स्वनिम के संबंध में उपयुक्त कथन हैं।

A. वाक्य में शब्दों के संबंध निर्धारित करते हैं।
B. इसका संबंध मौखिक भाषा से है।
C. सार्थकता की दृष्टि से शब्द लघुतम इकाई है।
D. यह उच्चरित भाषा की लघुतम इकाई है।
E. इसका ज्ञान भाषा के शुद्ध उच्चारण को जानने में सहायक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल A, D और E

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल B, D और E
4. केवल A, D और E

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 74 / Question ID 20059 Marks: 2.00

'इंसपेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के अनुसार इंसपेक्टर मातादीन ने चाँद पर जाकर जो काम किए, उन्हें पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. नकली चश्मदीद गवाह बनाना सिखाया
B. जान बचाने वाले आदमी को अपराधी बनाकर जेल में डाल दिया
C. थानों में हनुमान मंदिर बनवाए
D. पुलिस का मानवतावाद- इस अवधारणा में पुलिस वालों का विश्वास जगाया
E. पुलिसवालों की तनख्वाहें कम कराईं

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. C, E, B, D, A
2. D, E, B, A, C
3. E, A, B, D, C
4. A, C, B, E, D

'इंसपेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के अनुसार इंसपेक्टर मातादीन ने चाँद पर जाकर जो काम किए, उन्हें पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. नकली चश्मदीद गवाह बनाना सिखाया
B. जान बचाने वाले आदमी को अपराधी बनाकर जेल में डाल दिया
C. थानों में हनुमान मंदिर बनवाए
D. पुलिस का मानवतावाद- इस अवधारणा में पुलिस वालों का विश्वास जगाया
E. पुलिसवालों की तनख्वाहें कम कराईं

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. C, E, B, D, A
2. D, E, B, A, C
3. E, A, B, D, C
4. A, C, B, E, D

- ○ 1
  1
- ○ 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 75 / Question ID 20036 Marks: 2.00

"इनका जीवन बर्फ की पवित्रता से पूर्ण और वन की सुगंध से सुगन्धित है" कथन किसके बारे में है?

1. जिल्दसाज
2. बाग़ का माली
3. हल चलाने वाला
4. भेड़ चराने वाले

"इनका जीवन बर्फ की पवित्रता से पूर्ण और वन की सुगंध से सुगन्धित है" कथन किसके बारे में है?

1. जिल्दसाज
2. बाग़ का माली
3. हल चलाने वाला
4. भेड़ चराने वाले

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2

- 3
  3
- 4
  4

Question No. 76 / Question ID 20024 Marks: 2.00

'मनुष्य के मन से सुन्दर और कुछ नहीं होता। ईश्वर यदि हैं तो मनुष्य के मन में ही समाए हैं।'
'मानस का हंस' उपन्यास में यह संवाद किसका है?

1. तुलसी
2. गंगाराम
3. नरहरि दास
4. मोहिनी

'मनुष्य के मन से सुन्दर और कुछ नहीं होता। ईश्वर यदि हैं तो मनुष्य के मन में ही समाए हैं।'
'मानस का हंस' उपन्यास में यह संवाद किसका है?

1. तुलसी
2. गंगाराम
3. नरहरि दास
4. मोहिनी

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 77 / Question ID 20009 Marks: 2.00

'विज्ञान और कविता' (Science and poetry) पुस्तक के लेखक कौन हैं : 'विज्ञान और कविता' (Science and poetry) पुस्तक के लेखक कौन हैं :

1. आई. ए. रिचर्ड्स
2. टी. एस. ईलियट
3. मैथ्यू अर्नाल्ड
4. रेमंड विलियम्स

1. आई. ए. रिचर्ड्स
2. टी. एस. ईलियट
3. मैथ्यू अर्नाल्ड
4. रेमंड विलियम्स

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 78 / Question ID 20006 Marks: 2.00

'आलोचना' पत्रिका के सम्पादक नहीं रहे हैं? 'आलोचना' पत्रिका के सम्पादक नहीं रहे हैं?

1. अरुण कमल
2. परमानन्द श्रीवास्तव
3. नामवर सिंह
4. कमला प्रसाद

1. अरुण कमल
2. परमानन्द श्रीवास्तव
3. नामवर सिंह
4. कमला प्रसाद

- 1
  1
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 79 / Question ID 20051 Marks: 2.00

निम्नलिखित में से भारतेंदु के निबंध कौन से हैं?

A. वैष्णवता और भारत वर्ष
B. देशोन्नति
C. लेवी प्राण लेवी
D. सुशिक्षितों का कर्तव्य
E. भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?

निम्नलिखित में से भारतेंदु के निबंध कौन से हैं?

A. वैष्णवता और भारत वर्ष
B. देशोन्नति
C. लेवी प्राण लेवी
D. सुशिक्षितों का कर्तव्य
E. भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, C और E
4. केवल A, D और E

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, C और E
4. केवल A, D और E

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 80 / Question ID 20019 Marks: 2.00

'मुझे अपनी कविताओं के लिए दूसरे प्रजातंत्र की तलाश है" - यह कथन किस कविता में है ?

1. नक्सलबाड़ी
2. मोचीराम
3. अकाल दर्शन
4. पटकथा

'मुझे अपनी कविताओं के लिए दूसरे प्रजातंत्र की तलाश है" - यह कथन किस कविता में है ?

1. नक्सलबाड़ी
2. मोचीराम
3. अकाल दर्शन
4. पटकथा

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3

Prepp
Your Personal Exams Guide

○ 4
4

Question No. 81 / Question ID 20011 Marks: 2.00

निम्नलिखित में से किस विद्वान ने बीसवीं सदी में भारतीय काव्यशास्त्र संबंधी कोई पुस्तक नहीं लिखी?

1. राममूर्ति त्रिपाठी
2. भोलाशंकर व्यास
3. रामचन्द्र शुक्ल
4. रामविलास शर्मा

निम्नलिखित में से किस विद्वान ने बीसवीं सदी में भारतीय काव्यशास्त्र संबंधी कोई पुस्तक नहीं लिखी?

1. राममूर्ति त्रिपाठी
2. भोलाशंकर व्यास
3. रामचन्द्र शुक्ल
4. रामविलास शर्मा

○ 1
1

○ 2
2

○ 3
3

○ 4 (Chosen Option)
4 (Chosen Option)

Question No. 82 / Question ID 20001 Marks: 2.00

आकारांत एकवचन पुल्लिंग संज्ञाओं के विकृत रूप का प्रत्यय क्या है? आकारांत एकवचन पुल्लिंग संज्ञाओं के विकृत रूप का प्रत्यय क्या है?

1. आ
2. ए
3. शून्य प्रत्यय
4. ई

1. आ
2. ए
3. शून्य प्रत्यय
4. ई

○ 1
1

○ 2
2

○ 3
3

○ 4
4

Question No. 83 / Question ID 20063 Marks: 2.00

सरदार पूर्ण सिंह के निबंध हैं।

A. नयनों की गंगा
B. पवित्रता
C. आचरण की सभ्यता
D. जय जमुना मैया जी
E. हम डार डार तुम पात पात

सरदार पूर्ण सिंह के निबंध हैं।

A. नयनों की गंगा
B. पवित्रता
C. आचरण की सभ्यता
D. जय जमुना मैया जी
E. हम डार डार तुम पात पात

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B, C और D
2. केवल A, C और D
3. केवल A, B और C
4. केवल C, D और E

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B, C और D
2. केवल A, C और D
3. केवल A, B और C
4. केवल C, D और E

○ 1
1

○ 2
2

○ 3 (Chosen Option)
3 (Chosen Option)

○ 4
4

Question No. 84 / Question ID 20062 Marks: 2.00

नाटकों में गीतों के प्रयोग के बारे में सत्य कथन हैं:

A. 'अंधेर नगरी' में कबाब वाला, नारंगी वाला, कुँजड़िन, हलवाई और ब्राह्मण गीत गाकर अपनी बात कहते हैं।
B. दोहा छंद का प्रयोग 'अंधेर नगरी' और 'बकरी' नाटकों में किया गया है।
C. 'महाभोज' 'आधे अधूरे' और 'आषाढ़ का एक दिन' में कोई भी पात्र गीत नहीं गाता है।
D. 'स्कंदगुप्त' में 'आह वेदना मिली विदाई' गीत देवसेना गाती है।
E. 'भारत दुर्दशा' में किताबखाना वाले दृश्य में छह सभ्य लोग मिलकर एक गीत गाते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

नाटकों में गीतों के प्रयोग के बारे में सत्य कथन हैं:

A. 'अंधेर नगरी' में कबाब वाला, नारंगी वाला, कुँजड़िन, हलवाई और ब्राह्मण गीत गाकर अपनी बात कहते हैं।
B. दोहा छंद का प्रयोग 'अंधेर नगरी' और 'बकरी' नाटकों में किया गया है।
C. 'महाभोज' 'आधे अधूरे' और 'आषाढ़ का एक दिन' में कोई भी पात्र गीत नहीं गाता है।
D. 'स्कंदगुप्त' में 'आह वेदना मिली विदाई' गीत देवसेना गाती है।
E. 'भारत दुर्दशा' में किताबखाना वाले दृश्य में छह सभ्य लोग मिलकर एक गीत गाते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

○ 1
1

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 85 / Question ID 20084 Marks: 2.00

निम्नांकित पात्र अलग-अलग उपन्यासों के हैं। पात्रों को तत्संबंधी उपन्यासों के प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए:

A. भैरवी
B. लीजा
C. बेला
D. सरस्वती
E. बंती

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. C, A, D, E, B
2. D, A, E, C, B
3. B, A, E, D, C
4. A, E, D, C, B

निम्नांकित पात्र अलग-अलग उपन्यासों के हैं। पात्रों को तत्संबंधी उपन्यासों के प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए:

A. भैरवी
B. लीजा
C. बेला
D. सरस्वती
E. बंती

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. C, A, D, E, B
2. D, A, E, C, B
3. B, A, E, D, C
4. A, E, D, C, B

- 1
  1
- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 86 / Question ID 20014 Marks: 2.00

'बहिष्कृत भारत' पत्र का प्रकाशन किस वर्ष आरंभ हुआ? 'बहिष्कृत भारत' पत्र का प्रकाशन किस वर्ष आरंभ हुआ?

1. 1919
2. 1927
3. 1930
4. 1938

1. 1919
2. 1927
3. 1930
4. 1938

- 1
  1

- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 87 / Question ID 20080 Marks: 2.00

निम्नांकित पुस्तकों को उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. दूसरी परम्परा की खोज
B. इतिहास और आलोचना
C. कविता की ज़मीन और ज़मीन की कविता
D. कविता के नए प्रतिमान
E. आलोचना और विचारधारा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, D, A, C, E
2. D, B, A, E, C
3. C, B, D, A, E
4. B, A, C, E, D

निम्नांकित पुस्तकों को उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए :

A. दूसरी परम्परा की खोज
B. इतिहास और आलोचना
C. कविता की ज़मीन और ज़मीन की कविता
D. कविता के नए प्रतिमान
E. आलोचना और विचारधारा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. B, D, A, C, E
2. D, B, A, E, C
3. C, B, D, A, E
4. B, A, C, E, D

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 88 / Question ID 20025 Marks: 2.00

'कोसी का घटवार' कहानी में लछमा के संदर्भ में आये शब्द 'काला चरेऊ' का क्या अर्थ है?

1. सुहाग चिह्न
2. बिंदिया
3. करधनी
4. कंगन

'कोसी का घटवार' कहानी में लछमा के संदर्भ में आये शब्द 'काला चरेऊ' का क्या अर्थ है?

1. सुहाग चिह्न
2. बिंदिया
3. करधनी
4. कंगन

- ○ 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4
  4

Question No. 89 / Question ID 20038 Marks: 2.00

'अरे यायावर रहेगा याद' में माझुली द्वीप किस राज्य में स्थित है? 'अरे यायावर रहेगा याद' में माझुली द्वीप किस राज्य में स्थित है?

1. उत्तर प्रदेश
2. असम
3. महाराष्ट्र
4. हिमाचल

1. उत्तर प्रदेश
2. असम
3. महाराष्ट्र
4. हिमाचल

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 90 / Question ID 20053 Marks: 2.00

www.prepp.in

'नागमती वियोग' खंड में नागमती की विरह-व्यथा की अभिव्यक्ति के लिए जायसी द्वारा रचित पंक्तियाँ हैं :

A. घरी घरी जिउ आवै, घरी घरी जिउ जाई
B. पाहन जरहिं, होहिं सब चूना
C. रकत आँसु घुँघुची बन बोई
D. हिरदय पैठि विरह कटंनंसा
E. सहस सहस दुख एक एक साँसा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और E

'नागमती वियोग' खंड में नागमती की विरह-व्यथा की अभिव्यक्ति के लिए जायसी द्वारा रचित पंक्तियाँ हैं :

A. घरी घरी जिउ आवै, घरी घरी जिउ जाई
B. पाहन जरहिं, होहिं सब चूना
C. रकत आँसु घुँघुची बन बोई
D. हिरदय पैठि विरह कटंनंसा
E. सहस सहस दुख एक एक साँसा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, C और E

- ○ 1
  1
- ○ 2
  2
- ○ 3
  3
- ○ 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 91 / Question ID 20095 Marks: 2.00

www.prepp.in

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार आधुनिक चिंतन के जिन पश्चिमी रचनाकारों-विचारकों ने प्रोत्साहन प्रदान किया उनमें नहीं है:

1. मिल
2. स्पेंसर
3. नीत्शे
4. लॉक

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार आधुनिक चिंतन के जिन पश्चिमी रचनाकारों-विचारकों ने प्रोत्साहन प्रदान किया उनमें नहीं है:

1. मिल
2. स्पेंसर
3. नीत्शे
4. लॉक

○ 1
1

- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 92 / Question ID 20092 Marks: 2.00

www.prepp.in

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद में किस ऐतिहासिक व्यक्ति का उल्लेख नहीं है:

1. मैकॉले
2. बायरन
3. मिल्टन
4. मार्क्स

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद में किस ऐतिहासिक व्यक्ति का उल्लेख नहीं है:

1. मैकॉले
2. बायरन
3. मिल्टन
4. मार्क्स

○ 1
1

- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 93 / Question ID 20093 Marks: 2.00

www.prepp.in

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार पश्चिमी शिक्षा द्वारा भारत में विकसित विचारधारा का अंग नहीं था:

1. सर्वधर्मसमभाव
2. उदारवाद
3. समानता का विचार
4. जनवाद

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार पश्चिमी शिक्षा द्वारा भारत में विकसित विचारधारा का अंग नहीं था:

1. सर्वधर्मसमभाव
2. उदारवाद
3. समानता का विचार
4. जनवाद

○ 1 (Chosen Option)
1 (Chosen Option)

- 2
  2
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 94 / Question ID 20091 Marks: 2.00

www.prepp.in

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधारों का उद्देश्य नहीं था:

1. ब्रिटिश शासन के प्रति अपनत्व पैदा करने के लिए
2. अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए
3. भारत की आत्मा को नवजीवन देने के लिए
4. जनता में ब्रिटिश शासन के प्रति सम्मान पैदा करने के लिए

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधारों का उद्देश्य नहीं था:

1. ब्रिटिश शासन के प्रति अपनत्व पैदा करने के लिए
2. अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए
3. भारत की आत्मा को नवजीवन देने के लिए
4. जनता में ब्रिटिश शासन के प्रति सम्मान पैदा करने के लिए

○ 1
1

- 2
  2
- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 95 / Question ID 20094 Marks: 2.00

www.prepp.in

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार अंग्रेजी शिक्षा से भारतीयों में जो नई चतना जागी, उसने भारतीयों पर क्या प्रभाव डाला?

1. भारतीयों में जीवन के प्रति नये वैज्ञानिक दृष्टिबिंदु का आधार बनाया।
2. भारतीयों ने दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों की सराहना करना सिखा
3. भारतीयों में पश्चिम के प्रति घृणा का भाव जागा
4. भरतीयों में नए ज्ञान की कसौटी पर भारतीय परम्परा को कसना सीखा

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
अंग्रेजी राज में शिक्षा संबंधी सुधार अंग्रेजों की महानता का डंका पीटने के लिए शुरू किए गए थे। उपनिवेशवादियों ने आशा की थी कि 'शिक्षा से उत्पन्न ज्ञान, जनता को ब्रिटिश शासन का सम्मान करना सिखाएगी और उसमें एक हद तक इस शासन के प्रति अपनत्व की भावना भी पैदा करेगी।" और, जैसा कि एल्फिन्स्टन ने कहा, ब्रिटिश शिक्षा " भारतीय जनता को ब्रिटिश शासन को प्रसन्नता से स्वीकार करने योग्य बनायेगी।" किन्तु यह अनुमान से पूर्णत: गलत साबित हुआ। ब्रिटिश नीति में अनिवार्यत: कुछ ऐसे अन्तर्विरोध थे जिन्हें सुलझाया नहीं जा सकता था। उसका उद्देश्य था विनाश, किन्तु परिणाम हुआ पुनरुज्जीवन। शिक्षा प्रणाली ने प्रयत्न तो किया भारत कोई आत्मा को कुचल देने का, किन्तु वास्तव में यह एक ऐसे आन्दोलन के बीज बो रही थी, जिसने अन्तत: स्वयं ब्रिटिश शासन को ही उखाड़ फेंका।
ब्रिटिश शिक्षा ने भारतीय बुद्धिजीवियों के सामने सामाजिक और राजनीतिक स्वातंत्र्य के अन्य क्षितिज उद्घाटित किए। शिक्षित भारतीयों ने एक ओर तो दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों और उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करना सीखा और दूसरी ओर नए ज्ञान की कसौटी पर स्वयं अपनी परम्पराओं, धर्म, दर्शन, रीति रिवाजों और रुचियों को कसना सीखा। मैकॉले ने सोचा कि उसकी शिक्षा-प्रणाली भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना को कुंठित कर देगी और उन्हें वफ़ादार गुलाम बनाने में सफल होगी। किन्तु, उसने दरअसल जीवन के प्रति एक नए वैज्ञानिक दृष्टि बिंदु का आधार तैयार किया और नये राष्ट्रीय जागरण में भी सहायता पहुंचायी। दूसरे शब्दों में, अंग्रेजों की शिक्षा नीति ने भारतीय बुद्धिजीवियों का एक ऐसा नया वर्ग पैदा किया, जो पश्चिमी विज्ञान के मूल तत्वों तथा पश्चिम के अधिक उन्नत सांस्कृतिक मानदंडों को समझते और आत्मसात करते थे, और साथ ही स्वयं अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए उनका उपयोग करते थे।
पश्चिमी शिक्षा ने भारत में नये प्रकार की विचारधारा के विकास को सुगम बनाया। इस विचारधारा के अंग थे : युक्तियुक्तता, उदारवाद, स्वतंत्रता और जनवाद, मानवतावाद तथा समानता के विचार, आधुनिक भारतीय चिंतन को शैली, बायरन, कौबडन, मिल, स्पेंसर, कार्लाईल, रस्किन, मोरले, मिल्टन, लॉक, तथा बर्क ने जो प्रोत्साहन और बल प्रदान किया, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वास्तव में, आधुनिक भारत ने मस्तिष्क को ढालने में पश्चिमी विचरों ने निर्णायक भूमिका अदा की।

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार अंग्रेजी शिक्षा से भारतीयों में जो नई चतना जागी, उसने भारतीयों पर क्या प्रभाव डाला?

1. भारतीयों में जीवन के प्रति नये वैज्ञानिक दृष्टिबिंदु का आधार बनाया।
2. भारतीयों ने दूसरे देशों के प्रगतिशील विचारों की सराहना करना सिखा
3. भारतीयों में पश्चिम के प्रति घृणा का भाव जागा
4. भरतीयों में नए ज्ञान की कसौटी पर भारतीय परम्परा को कसना सीखा

○ 1
1

- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 96 / Question ID 20100 Marks: 2.00

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

यदि पुराने विश्वास खंडित हो जाएँ तो, उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार यथार्थवादी व्यक्ति का पहला काम क्या होगा?

1. मनुष्यों को मूढ़ और प्रतिक्रिवादी बनाना
2. पुराने विश्वासों की पुन: स्थापना का प्रयास करना
3. पुराने विश्वासों के स्थान पर नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना
4. पुराने विश्वासों की आलोचनाओं का जवाब देना

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

यदि पुराने विश्वास खंडित हो जाएँ तो, उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार यथार्थवादी व्यक्ति का पहला काम क्या होगा?

1. मनुष्यों को मूढ़ और प्रतिक्रिवादी बनाना
2. पुराने विश्वासों की पुन: स्थापना का प्रयास करना
3. पुराने विश्वासों के स्थान पर नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना
4. पुराने विश्वासों की आलोचनाओं का जवाब देना

- 1
  1
- 2
  2

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 3 (Chosen Option)
  3 (Chosen Option)
- 4
  4

Question No. 97 / Question ID 20099 Marks: 2.00

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार यथार्थवादी व्यक्ति को क्या करना होगा?

1. सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देना
2. पुराने विश्वासों के लिए जगह साफ़ करना
3. पुराने विश्वासों को तर्क से बचाना
4. नए विश्वासों के निर्माण की प्राक्रिया को बाधित करना

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार यथार्थवादी व्यक्ति को क्या करना होगा?

1. सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देना
2. पुराने विश्वासों के लिए जगह साफ़ करना
3. पुराने विश्वासों को तर्क से बचाना
4. नए विश्वासों के निर्माण की प्राक्रिया को बाधित करना

- 1 (Chosen Option)
  1 (Chosen Option)
- 2
  2
- 3
  3

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

○ 4
4

Question No. 98 / Question ID 20098 Marks: 2.00

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार विकास के लिए मनुष्य को क्या नहीं करना होगा?

1. रूढ़िगत विश्वासों की चुनौती देनी होगी।
2. प्रचलित मतों को तर्क की कसौटी से बचाना होगा।
3. रूढ़िगत विश्वासों की लोचना करनी होगी।
4. रूढ़ियों पर अविश्वास करना होगा

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार विकास के लिए मनुष्य को क्या नहीं करना होगा?

1. रूढ़िगत विश्वासों की चुनौती देनी होगी।
2. प्रचलित मतों को तर्क की कसौटी से बचाना होगा।
3. रूढ़िगत विश्वासों की लोचना करनी होगी।
4. रूढ़ियों पर अविश्वास करना होगा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 1
  1
- 2 (Chosen Option)
  2 (Chosen Option)
- 3
  3
- 4
  4

Question No. 99 / Question ID 20097 Marks: 2.00

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार मानवता के विकास को जड़ बनाने वाले अपराधी कौन हैं?

1. वे जो रहस्यमाय प्रश्नों को सुलझाते हैं।
2. वे जो अज्ञानता के विरुद्ध लड़ाई लड़ते हैं।
3. वे जो रूढ़ियों पर प्रश्न उठाते हैं।
4. वे जो पुराने विश्वासों की चीख-पुकार मचाते रहते हैं।

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार मानवता के विकास को जड़ बनाने वाले अपराधी कौन हैं?

1. वे जो रहस्यमाय प्रश्नों को सुलझाते हैं।
2. वे जो अज्ञानता के विरुद्ध लड़ाई लड़ते हैं।
3. वे जो रूढ़ियों पर प्रश्न उठाते हैं।
4. वे जो पुराने विश्वासों की चीख-पुकार मचाते रहते हैं।

- 1
  1

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

- 2
  2
- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Question No. 100 / Question ID 20096 Marks: 2.00

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार विवेकवान व्यक्ति क्या चाहेगा?

1. विश्वास की चीख-पुकार मचाते रहना
2. यथार्थवादी होने का दावा मात्र करना
3. पुराने विचारों पर आँख मूँद कर भरोसा करना
4. वातावरण को तार्किक रूप से समझना

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
मेरे विचार से कोई भी मनुष्य जिसमें जरा-सी भी विवेक शक्ति है, वह अपने वातावरण को तार्किक रूप से समझना चहेगा। दुर्भाग्य की बात है कि बजाय इसके हम अपने पुराने विद्वानों एवं विचारकों के अनुभवों तथा विचारों का भविष्य में अज्ञानता के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनाएं और इस रहस्यमय प्रश्न को हल करने की कोशिश करें, हम आलसियों की तरह, जो कि हम सिद्ध हो चुके हैं , विश्वास की-उनके कथन में अविचल एवं संशयहीन विश्वास की-चीख-पुकार मचाते रहते हैं। इस प्रकार मानवता के विकास को जड़ बनाने के अपराधी हैं।
प्रत्येक मनुष्य को, जो विकास के लिए खड़ा है, रूढ़िगत विश्वासों के हर पहलू की आलोचना तथा उनपर अविश्वास करना होगा और चुनौती देनी होगी। प्रत्येक प्रचलित मत की हर बात को हर कोने से तर्क की कसौटी पर कसना होगा। यदि काफी तर्क के बाद भी वह किसी सिद्धांत अथवा दर्शन के प्रति प्रेरित होता है, तो उसके विश्वास का स्वागत है। इसका तर्क असत्य, भ्रमित या छलावा और कभी-कभी मिथ्या हो सकता है लेकिन उसको सुधारा जा सकता है, क्योंकि विवेक उसके जीवन का दिशा-सूचक है। पर निरा विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक है। यह मस्तिष्क को मूढ़ तथा मनुष्य को प्रतिक्रियावादी बना देता है। जो मनुष्य अपने को यथार्थवादी होने का दावा करता है, उसे सभी प्राचीन विश्वासों को चुनौती देनी होगी। यदि वे तर्क का प्रहार न सह सकें तो टुकड़े-टुकड़े होकर गिर पड़ेंगे। तब उस व्यक्ति का पहला कम होगा, तमाम पुराने विश्वासों को धाराशायी करके नए दर्शन की स्थापना के लिए जगह साफ़ करना। यह तो नकारात्मक पक्ष हुआ। इसके बाद सही कार्य शुरू होगा, जिसमें पुनर्निर्माण के लिये पुराने विश्वासों की कुछ बातों का प्रयोग किया जा सकता है।

उपर्युक्त उद्धरण के अनुसार विवेकवान व्यक्ति क्या चाहेगा?

1. विश्वास की चीख-पुकार मचाते रहना
2. यथार्थवादी होने का दावा मात्र करना
3. पुराने विचारों पर आँख मूँद कर भरोसा करना
4. वातावरण को तार्किक रूप से समझना

- 1
  1
- 2
  2

- 3
  3
- 4 (Chosen Option)
  4 (Chosen Option)

Save & Print